कक्षा–शास्त्री द्वितीयवर्ष (चतुर्थ सत्रार्द्ध)
चतुर्थपत्रस्य
विषयः राजनीति विज्ञान

प्रेषकः
श्री जगन्नाथ झा
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
लखनऊपरिसरः, लखनऊ

शास्त्री (चतुर्थ सेमेस्टर)
पत्र : चतुर्थ, विषय : राजनीतिशास्त्र

प्रस्तोता –

जगन्नाथ झा
असि. प्रोफेसर, लखनऊ परिसर

प्रिय छात्र-छात्रा,

लॉकडाउन की अवधि में ऑनलाइन अध्यापन के क्रम में आपलोगों को पुनरावृत्ति (Revision) हेतु प्रमुख बिन्दुओं को निरूपित कर रहा हूँ :–

(I) संविधान की आत्मा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत प्रदत्त संवैधानिक उपचारों के अधिकार को 'संविधान की आत्मा' के रूप में अभिहित किया गया है।

(II) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

मानव-अधिकारों की व्यवस्था रक्षा एवं भविष्य में इन अधिकारों के विस्तार प्रभृति मुद्दों से सम्बद्ध परि नियमावली, प्रक्रियादि के प्राव- हेतु अखिल भारतीय स्तर पर य

P.T.O.|2

गठित हुआ, जिसका मुख्यालय नई दि
में है।

(III) नीति-निर्देशक सिद्धान्त

भारतीय संविधान के चतुर्थ भा
में उल्लिखित ये सिद्धान्त राज्य द्वारा
कानून-निर्माण आदि के समय कनु
मूल्यों के समावेश हेतु सुझाव के
रूप में हैं, इन सिद्धान्तों का सम
अनिवार्य (Mandatory) तो नहीं है,
तथापि इनका अनुनयात्मक
(Persuasive) स्वरूप है।

(IV) स्वतन्त्रता-आन्दोलन का प्रारम्भ

सन् 1857 में हुए संग्राम को
भारतीय स्वातन्त्र्य-आन्दोलन का
प्रारंभिक चरण माना गया है।

(V) राजा राममोहन राय की संस्था

समाज-सुधारक राजा राम

P.T.O.

राय ने 'ब्रह्म समाज' नामक संस्था के माध्यम से हिन्दू समाज में व्याप्त कुरीतियों, अन्धविश्वासों आदि के उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय अवदान प्रस्तुत किया।

(VI) राष्ट्रवादी प्रमुख पत्र

निम्नांकित समाचारपत्र राष्ट्रीय जागृति की दिशा में प्रमुखता से कार्य कर रहे थे :—

(1) मराठा
(2) केसरी
(3) यंग इंडिया
(4) हरिजन
(5) स्वदेशी
(6) उदन्त मार्तण्ड.

छात्र-छात्राएँ लॉकडाउन की अवधि में मुझसे विषय-मार्गदर्शन 916143678 एवं 7718966693 मोबाइल-नम्बर पर कभी भी प्राप्त कर सकते हैं।